कृषि-सलाहकार सेवा

अक्टूबर 2022 के प्रथम पखवाड़ा की रणनीतियां

- *देर से रोपित धान में, दौजियां निकलने के चरण पर (रोपाई करने के (50-55 दिन बाद) 17.5 किग्रा यूरिया प्रति एकड़ दर पर उर्वरक की दूसरी शीर्ष ड्रेसिंग प्रयोग करें जबकि रेतीली मिट्टी में 17.5 किग्रा यूरिया + 13 किग्रा एमओपी प्रति एकड़ डालें।*
- *पत्ता मोड़क को नियंत्रित करने के लिए जब भी दो मुड़े हुए पत्ते/पूंजा दिखाई दें, तो क्लोरेंट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी/60 मिली/एकड़ या टेट्रानिलिप्रोल 200 एससी 100–120 मिली/एकड़ की दर से या फ्लूबेनडियामाइड 20डब्ल्यूजी 50 ग्राम/एकड़ या क्वीनालफास 25ईसी 64 मिली/एकड़ का छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।*
- *झुंड वाली इल्लियों/केस वर्म/हिस्पा के प्रकोप की स्थिति में क्लोरपाइरीफॉस 20ईसी 400 मिली/एकड़ दर पर या ट्रायजोफोस 40% ईसी 500 मिली/एकड़ दर पर का छिड़काव करें। छिड़काव के लिए प्रति एकड़ 200 लीटर पानी का प्रयोग करें।*
- *गॉल मिज संक्रमण होने पर फिप्रोनिल 5% ईसी 600 मिली/एकड़ दर पर छिड़काव करें या लैम्ब्डा साइहलोथ्रिन 5% ईसी 100 मिली/एकड़ दर पर या करटाप हाइड्रोक्लोराइड 4जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर या कार्बोफुरन 3जी 10 किग्रा/एकड़ दर पर प्रयोग करें।*
- *यदि भूरा पौध माहू (बीपीएच) की संख्या लागत-लाभ की सीमा (5-10 कीट/पूंजा) से अधिक है, तो वैकल्पिक गीला और सुखाने की तकनीक (पानी लंबे समय तक खेत में खड़ा नहीं होना चाहिए) द्वारा धान के खेत की सूक्ष्म जलवायु को बदलने की सलाह दी जाती है। यदि समस्या फिर भी बनी रहती है, तो ट्राइफ्लुमेज़ोपाइरिम 10% एससी 94 मिली/एकड़ दर पर या पाइमेट्रोज़ीन 50% डब्ल्यूजी 120 ग्राम/एकड़ दर पर या डाइनोटफ्यूरन 20% एसजी 80 ग्राम/एकड़ दर पर या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% एसएल 50 मिली/एकड़ दर पर या फ्लोनिकैमिड 50% डब्लूजी 60 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। भूरा पौध माहू के लिए अनुशंसित कीटनाशकों का प्रयोग निर्धारित मात्रा में ही करें। भूरा पौध माहू के संक्रमण के दौरान नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों के प्रयोग से बचें।*
- *यदि 1-2 दौजी में आच्छद अंगमारी प्रकोप देखा जाता है, प्रोपिकोनाज़ोल 75% 200 मिली/एकड़ दर पर या हेक्साकोनाज़ोल 50% 400 मिली/एकड़ दर पर या वैलिडैमाइसिन 3L 400 मिली/एकड़ दर पर या टेबुकोनाज़ोल 50% + ट्राइफ़्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% डब्ल्यूजी 80 ग्राम/एकड़ दर पर छिड़काव करें। छिड़काव को 7-10 दिनों के अंतराल पर दोहराएं। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।*
- *जीवाणुज अंगमारी/जीवाणुज पत्ता अंगमारी होने की स्थिति में, स्ट्रेप्टोमाइसिन सल्फेट (9%) + टेट्रासाइक्लिन हाइड्रोक्लोराइड (1%) 200 ग्राम/एकड़ दर पर सहित कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 200 ग्राम/एकड़ दर पर डालें। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।*
- *यदि पत्ता प्रध्वंस देखा जाता है, बीमारी को नियंत्रित करने के लिए टेबुकोनाजोल 50% + ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 25% (नैटिवो 75 डब्ल्यूजी) 80 ग्राम प्रति एकड़ दर पर या कार्बेन्डाजिम 50 डब्ल्यूपी 400 ग्राम प्रति एकड़ दर पर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। वैकल्पिक रूप से, बेल के पत्तों (25 ग्राम ताजी पत्तियां) का निचोड़ का छिड़काव या तुलसी (25 ग्राम ताजी पत्तियां) या नीम (200 ग्राम ताजी पत्तियां) प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करने पर रोग कम करने में*

मदद कर सकता है। इसके अलावा, ट्राइकोडर्मा विरिडे जैसे जैवनियंत्रक एजेंट (न्यूनतम 106) सीएफयू) 2 किलो प्रति एकड़ दर पर प्रयोग किया जा सकता है। एक एकड़ क्षेत्र के लिए 200 लीटर घोल का प्रयोग करें।

- *फाल्स स्मट: कॉपर हाइड्रॉक्साइड 77% (कोसाइड 101) 400 ग्राम/एकड़ दर पर या टेबुकोनाज़ोल 25% (फोलिकूर) 400 ग्राम/एकड़ दर पर बूट लीफ अवस्था में छिड़काव करें। फाल्स स्मट के प्रभावी नियंत्रण के लिए छिड़काव को सात दिनों के अंतराल पर दोहराएं।*
- *किसानों को सलाह दी जाती है कि चावल की खेती के सभी पहलुओं के लिए एनआरआरआई द्वारा विकसित राइसएक्सपर्ट मोबाइल ऐप (गूगल प्ले स्टोर में उपलब्ध) को डाउनलोड करें और उसका उपयोग करें।*
- *जहां नमी की कमी के कारण चावल नहीं उगाए गए हैं, वहां किसानों को सलाह दी जाती है कि वे उपलब्ध खेत में मिट्टी नमी का उपयोग करते हुए कम अवधि वाली रबी पूर्व फसलें जैसे एमरनथस, रागी, कुल्थी, उड़द, चना, लोबिया, शकरकंद और तिल को उच्च भूमि में उगाएं।*